This question paper contains 3 printed pages.

8171 *Your Roll No.* .....

M.Ed. **AS**

Paper – 1.1

PHILOSOPHICAL PERSPECTIVE ON EDUCATION

Time : 2 hours *Maximum Marks* : 35

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Answer Question No. 1 and two other questions.

प्रश्न सं० 1 और शेष कोई दो प्रश्न कीजिए।

1. What is the place of ethical considerations in the pursuit of knowledge? Discuss keeping in view the issues raised by Hirst.

ज्ञान की खोज में नैतिक चिंतन का क्या स्थान है? हर्स्ट द्वारा उठाए गए मुद्दों को ध्यान में रखते हुए विवेचन कीजिए।

Or (अथवा)

P. T. O.

Can knowledge be pursued without assumptions? What is their scope and role; illustrate.

क्या ज्ञान का अनुशीलन बिना अभिधारणाओं के किया जा सकता है? उनकी भूमिका और व्याप्ति क्या है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 11

2. It is said that "one can go beyond the purely descriptive ..... toward an analysis of thinking and the creation of values, with its foundation in empiricism". Discuss with attention to the impact on Evaluation in Education.

यह कहा जाता है कि "अनुभववाद में स्थित उसके आधार के कारण हम विशुद्ध वर्णन से आगे चिंतन के विश्लेषण और मूल्यों के सृजन की ओर ले जा सकते हैं।" शिक्षा में मूल्यांकन के प्रभाव पर ध्यान देते हुए विवेचन कीजिए। 12

3. With recent developments in technology Gandhian ideas on Education recede further and further into the realm of the utopian. Comment.

प्रौद्योगिकी में हाल के घटनाक्रमों से शिक्षा पर गांधीवादी विचार अधिकाधिक कल्पनालोकी होते जा रहे हैं। टिप्पणी कीजिए। 12

4. The nature and meaning of science in the arena of social and physical field is different. Elucidate and discuss what implications researchers in education can draw from this.

सामाजिक और भौतिक क्षेत्र के संबंध में विज्ञान की प्रवृत्ति और अर्थ भिन्न हैं। इससे शिक्षा के शोधकर्ता क्या निहितार्थ निकाल सकते हैं? 12

5. Every philosophical problem, according to the phenomenologists, "emerges as a problem only for an inquiring subject out of the person's own lived experience ..... and therefore calls for radical reflection upon the lived process of subjective life". How does this understanding work as method in education and educational studies?

"प्रत्येक दार्शनिक समस्या केवल जिज्ञासु विषयी के लिए अपने निजी अनुभव के आधार पर समस्या के रूप में उभरती है और इस लिए विषयिनिष्ठ जीवन की प्रक्रिया प्रखर चिंतन की अपेक्षा करती है।" यह बोध शिक्षा और शैक्षिक अध्ययनों में पद्धति के रूप में कैसे काम करता है? 12